

त्रिदशांकुश पु. (तत्.) वज्र।

त्रिदशाचार्य पु. (तत्.) इंद्र।

त्रिदशाधिप पुं. (तत्.) इंद्र।

त्रिदशाध्यक्ष पु. (तत्.) दे. त्रिदशायन।

त्रिदशायन पु. (तत्.) विष्णु।

त्रिदशायुध पु. (तत्.) वज्र।

त्रिदशालय पु. (तत्.) स्वर्ग, सुमेरु पर्वत।

त्रिदशाहार पु. (तत्.) अमृत।

त्रिदशेश्वर पु. (तत्.) इंद्र।

त्रिदशेश्वरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

त्रिदिवाधीश पु. (तत्.) इंद्र, देवता।

त्रिदिवेश पु. (तत्.) देवता, इंद्र।

त्रिदिवोद्भवा स्त्री. (तत्.) 1. बड़ी इलायची 2. गंगा।

त्रिदिवौका पु. (तत्.) देवता।

त्रिदोषना अ.क्रि. (तद्.) तीनो दोषों के कोप में पड़ना।

त्रिधर्मा पु. (तत्.) महादेव, शिव।

त्रिधा क्रि.वि. (तत्.) तीन प्रकार से, तीन तरह से
वि. तीन तरह का।

त्रिधाम पु. (तत्.) 1. शिव, विष्णु, अग्नि 4. मृत्यु
5. स्वर्ग।

त्रिधारा स्त्री. (तत्.) 1. तीन धारा वाला सेहुड़ 2.
स्वर्ग, मर्त्य और पाताल तीनों लोकों में बहने
वाली गंगा।

त्रिनयन वि. (तत्.) तीन आँखों वाला पुं. शिव,
महादेव।

त्रिनयना स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

त्रिनाथ पु. (तत्.) विष्णु।

त्रिनेत्र पु. (तत्.) 1. महादेव, शिव 2. सोना।

त्रिपथगा स्त्री. (तत्.) गंगा, तीनों लोकों- स्वर्ग,
मर्त्य और पाताल लोक में बहने वाली गंगा।

त्रिपद स्त्री. (तत्.) 1. गायत्री छंद 2. हंसपदी वृक्ष।

त्रिपदी स्त्री. (तत्.) 1. तिपाई 2. हंसपदी 3. गायत्री।

त्रिपर्ण स्त्री. (तत्.) पलाश का पेड़।

त्रिपर्णी स्त्री. (तत्.) 1. शालपर्णी 2. बनकपास।

त्रिपाठी पु. (तत्.) तीनों वेदों को जानने वाला
व्यक्ति 2. त्रिवेदी, तिवारी, ब्राह्मणों की जाति।

त्रिपिटिक पु. (तत्.) भगवान बुद्ध के उपदेशों का
संग्रह।

त्रिपिताना अ.क्रि. (तत्.) 1. संग्रह कराना 2. तृप्ति
पाना 3. तृप्त होना।

त्रिपुर पु. (तत्.) 1. तीनों लोक 2. बाणासुर का एक
नाम 3. मय दानव द्वारा बनाए गए तीन नगर
जो स्वर्ग, अंतरिक्ष और मर्त्यलोक में बनाए गए
थे।

त्रिपुर सुंदरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

त्रिपुरांतक पु. (तत्.) महादेव, शिव।

त्रिपुरा स्त्री. (तत्.) कामाख्या देवी की एक मूर्ति।

त्रिपुरारि पु. (तत्.) त्रिपुर राक्षस के शत्रु या अंत
करने वाले, शिव, महादेव।

त्रिपुरारी पु. (तत्.) दे. त्रिपुरारि।

त्रिपुरासुर पु. (तत्.) बाणासुर।

त्रिफला पु. (तत्.) आँवले, हरड़ और बेहड़े का
समूह।

त्रिबली स्त्री. (तत्.) पेट पर पड़ने वाले तीन बल।

त्रिबेनी स्त्री. (तद्.) दे. त्रिवेणी।

त्रिभंग वि. (तत्.) तीन जगह से टेढ़ा।

त्रिभंगी वि. (तत्.) तीन जगह से टेढ़ा पु. 1. एक
राग 2. एक मात्रिक छंद जिसमें 32 मात्राएँ होती
हैं।

त्रिभुज पु. (तत्.) तीन भुजाओं वाला क्षेत्र प्रयो.
तीन भुजाओं वाली आकृति त्रिभुज कहलाती है।